दूसरा कदम (Second Step)—**साधन आय का अनुमान** (Estimation of Factor Income)—एक उद्योग के सभी उत्पादकों द्वारा भुगतान की गई साधन आय को जोड़कर उस उद्योग की कुल आय मालूम की जाती है और अर्थव्यवस्था के सभी उद्योगों द्वारा भुगतान की गई आय को जोड़कर शुद्ध घरेलू आय प्राप्त की जाती है।

शुद्ध घरेलू आय (Net Domestic Income) में उचित परिवर्तन करके राष्ट्रीय उत्पाद की शेष अवधारणाएँ ज्ञात की जा सकती हैं जैसा निम्न चित्र द्वारा समझाया गया है :

आय विधि
(Income Method)

↓

(1) कर्मचारियों का पारिश्रमिक
(2) परिचालन अधिशेष
(3) स्वनियोजितों की मिश्रित आय

↓

शुद्ध घरेलू आय (Net Domestic Income)

(+)

विदेशों से शुद्ध साधन आय

↓

राष्ट्रीय आय (National Income)

(+)

मूल्य ह्रास

↓

साधन लागत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GDP_{FC})

(+)

शुद्ध अप्रत्यक्ष कर

↓

बाजार कीमत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP_{MP})

नोट—(1) आय विधि में आय का अनुमान साधनों की आय के अनुसार लगाया जाता है अतः साधन लागत में **शुद्ध अप्रत्यक्ष कर** जोड़ दिया जाय तो **बाजार कीमत पर राष्ट्रीय उत्पाद** का मूल्य ज्ञात किया जा सकता है।

(2) शुद्ध अप्रत्यक्ष कर = अप्रत्यक्ष कर — आर्थिक सहायता

आय विधि के अनुसार राष्ट्रीय आय के अनुमान में न सम्मिलित होने वाली मदें (Items not to be Included in Estimation of National Income by Income Method)—आय विधि के अनुसार राष्ट्रीय आय का अनुमान लगाते समय निम्नलिखित **आयों को सम्मिलित नहीं किया जाता** :

(i) पुरानी वस्तुओं के विक्रय से प्राप्त आय, (ii) गैर-कानूनी आय; जैसे—तस्करों, जमाखोरों, कर प्रवंचकों से प्राप्त आय, (iii) आकस्मिक आय; जैसे—लॉटरी से आय, (iv) सभी हस्तान्तरण भुगतान, (v) मृत्यु-कर, उपहार-कर, सम्पत्ति-कर आदि से प्राप्त आय।

महत्व (Significance)—इस रीति का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे समाज में विभिन्न वर्गों में आय-वितरण का पता लगता है और दोहरी गणना की सम्भावना बहुत कम रहती है, परन्तु करोड़ों लोगों की आय का अनुमान लगाना अत्यन्त कठिन हो जाता है, विशेषकर उस समय जब आय वस्तुओं और सेवाओं के रूप में प्राप्त होती है। भारत जैसे देश में जहाँ अधिकांश लोग आय का ठीक-ठीक हिसाब नहीं रखते, यह विधि उपयुक्त नहीं हो सकती है।

उदाहरण 4—निम्नलिखित आँकड़ों की सहायता से आय विधि द्वारा (1) शुद्ध घरेलू आय, (2) सकल घरेलू आय, (3) शुद्ध राष्ट्रीय आय, (4) बाजार कीमत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद ज्ञात करो : (करोड़ रु.)

(1) अप्रत्यक्ष कर 3,000, (2) आर्थिक सहायता 600, (3) स्वरोजगार की मिश्रित आय 9,000, (4) मूल्य ह्रास 500, (5) परिचालन अधिशेष 3,000, (6) विदेशों से शुद्ध साधन आय 100, (7) कर्मचारियों की क्षतिपूर्ति 8,000।

हल—(1) **शुद्ध घरेलू आय** (NDI) = स्वरोजगार की मिश्रित आय + परिचालन अधिशेष + कर्मचारियों की क्षतिपूर्ति

= 9,000 करोड़ रु. + 3,000 करोड़ रु. + 8,000 करोड़ रु.

= 20,000 करोड़ रु.

(2) **सकल घरेलू आय** (GDI) = शुद्ध घरेलू आय + मूल्य ह्रास

= 20,000 करोड़ रु. + 500 करोड़ रु.

= 20,500 करोड़ रु.

(3) **शुद्ध राष्ट्रीय आय** (NI) = शुद्ध घरेलू आय + विदेशों से शुद्ध साधन आय

= 20,000 करोड़ रु. + (–) 100 करोड़ रु.

= 19,900 करोड़ रु.

(4) **बाजार कीमत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद** (NNP_{MP}) = शुद्ध राष्ट्रीय आय + अप्रत्यक्ष कर – आर्थिक सहायता

= 19,900 करोड़ रु. + 3,000 करोड़ रु. – 600 करोड़ रु. = 22,300 करोड़ रु.